

प्रेषक,

शैलेश बगौली,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवामें,

निदेशक,
पर्यटन निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग-1

देहरादून दिनांक 27 नवम्बर, 2014

विषय:-ए0डी0बी0 (ए0डी0बी0 लोन नं0-2833 आई.डी.आई.पी.टी.) "पर्यटन संरचना विकास निवेश कार्यक्रम" हेतु वित्तीय वर्ष 2014-15 में अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत धनराशि की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-240/2-6-942/2014-15, दिनांक 1 अक्टूबर, 2014 के संदर्भ ग्रहण करें, जिसके माध्यम से आपके द्वारा वित्तीय वर्ष 2014-15 के अंत तक योजनांतर्गत ₹ 30.00 करोड़ के अनुमानित व्यय (विवरण संलग्न) हेतु वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-26 में वाह्य सहायतित परियोजना "पर्यटन संरचना विकास निवेश कार्यक्रम" हेतु प्राविधानित धनराशि ₹ 50.00 करोड़ में से स्वीकृत करने का अनुरोध किया गया है।

उल्लेखनीय है कि पर्यटन विभाग के अन्तर्गत एशियाई बैंक सहायतित "पर्यटन संरचना विकास निवेश कार्यक्रम, प्रोजेक्ट-2 (2012-2017)" हेतु अनुबन्ध के अंतर्गत स्वीकृत धनराशि \$ 33.26 मिलियन (₹149.67 करोड़) के सापेक्ष अब तक राज्य सरकार द्वारा ₹ 13.84 करोड़ की धनराशि अवमुक्त की जा चुकी है तथा ₹135.83 करोड़ अवशेष है।

आपके उपरोक्त प्रस्ताव के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वर्तमान वित्तीय वर्ष के आय-व्ययक में वाह्य सहायतित परियोजना के अंतर्गत उक्त योजना हेतु प्राविधानित धनराशि ₹50.00 करोड़ में से ₹ 30.00 करोड़ की धनराशि (रूपये तीस करोड़ मात्र) की धनराशि निम्नलिखित शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वर्तन में रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- (I) उपरोक्त ₹ 30.00 करोड़ की धनराशि का ₹ 15-15 करोड़ की दो किश्तों में आहरण किया जायेगा। द्वितीय किश्त ₹ 15.00 करोड़ का आहरण प्रथम किश्त की धनराशि का उपयोग कर लेने के उपरांत किया जायेगा।
- (II) कार्यक्रम के सापेक्ष भारत सरकार/ए0डी0बी0 से प्रतिपूर्ति के रूप में प्राप्त होने वाली धनराशि का विवरण यथासमय शासन को उपलब्ध कराया जाता रहेगा।
- (III) धनराशि का व्यय पर्यटन विकास निवेश कार्यक्रम के अन्तर्गत ए0डी0बी0 द्वारा अनुमन्य कार्यों/गतिविधियों के संचालन से सम्बन्धित भारत सरकार तथा ए0डी0बी0 के दिशा-निर्देश के अनुरूप ही किया जायेगा और धनराशि का उपयोग किसी अन्य प्रयोजन हेतु नहीं किया जायेगा।

- (IV) एतद्वारा जारी वित्तीय स्वीकृति किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देती है जिसे व्यय करने के लिए वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए।
- (V) परियोजना सम्बन्धी विभिन्न कार्यों/मदों में व्यय करने की प्रक्रिया में यथास्थिति वित्तीय हस्त पुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 एवं इस सम्बन्ध में समय-समय पर निर्गत शासनादेशों एवं ए0डी0बी0 के अधिप्राप्ति सम्बन्धी विनियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-26 के लेखाशीर्षक-5452-पर्यटन पर पूंजीगत परिव्यय-80-सामान्य-आयोजनागत-104-संबर्धन तथा प्रचार-97-वाह्य सहायतित परियोजना-01-पर्यटन विभाग की वाह्य सहायतित योजनाएं-24-वृहत् निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।
- 3- उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अ0शा0सं0-446/XXVII(2)/2014, दिनांक 25 नवम्बर, 2014 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
- 4- उक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2014-15 के अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत अलोटमेंट आईडी-S.J.11.26.0.1.6.8.....द्वारा निर्गत किया जा रहा है।
- संलग्नक-यथोपरि।

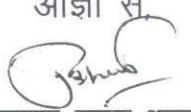
भवदीय,

(शैलेश बगौली)
अपर सचिव।

संख्या:- / VI(1)/ 2014-12(26)/ 2005 टी0सी0, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- वित्त अधिकारी, साइबर ट्रेजरी, 23 लक्ष्मी रोड, डालनवाला देहरादून।
- 3- कार्यक्रम निदेशक, परियोजना प्रबन्धन इकाई (पी0एम0यू0), पर्यटन संरचना विकास निवेश कार्यक्रम, पर्यटन विभाग, गढ़ीकैन्ट देहरादून।
- 4- वित्त अनुभाग-2 उत्तराखण्ड शासन।
- 5- एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर।
- 6- गार्ड फाईल।

आज्ञा से

(प्रकाश चन्द्र भट्ट)
उप सचिव।